

7. कारक संबंधीं अशुद्धि :- (जे, को, पर, में etc.)

- (i). मोहन शहर ^{से} (के) कपड़े लाकर गाँव ^{में} (को) बेचता है।
- (ii). गाँव के सभी लड़के शहर ^{में} (को) चले गये।
- ~~Int~~ (iii). पुस्तक ^{को} (को) जहाँ से उठाओ वहीं ^{पर} (पर) रख दो।
- (iv). राम मोहन मारा।
राम ने मोहन को मारा।
- (v). मुझे बहुत ^{साथी} (साथी) पुस्तकों को ^{पढ़ना} (पढ़ना) होता है।
मुझे बहुत ^{सी} (सी) पुस्तकों को ^{पढ़नी} (पढ़नी) पड़ती है।
- (vi). गाँव ^{के भीतर} (के भीतर) दो कुँए हैं। (में)
- ~~Int~~ (vii). मेज ^{के} (के) ^{उपर} (उपर) चढ़ जाओ। (पर)
- (viii). सीमा ने अपनी सहेली ^{के} (के) ^{लिए} (लिए) उपहार दिया। (को)
- (ix). आज बजट ^{के} (के) ^{उपर} (उपर) बहस होगी। (पर)
- (x). आजकल जनता ^{के} (के) ^{अन्दर} (अन्दर) बहुत असन्तोष है। (में)
- (xi). वह रोज आफिस ^{को} (को) जाता है।

8. वचन संबंधीं अशुद्धि :-

- ~~Int~~ (i). उसके प्राण निकल गये।
- (ii). शेर को देखते ही उसके प्राण उड़ गये।
- (iii). मैंने गुरु जी के दर्शन किये।
- (iv). गांधी जी के हाथ घुटनों तक लम्बे थे।
- ~~Int~~ (v). उसकी आँख से आँसू निकल पड़े।

प्राण आँसू हाथ समय* आदि शब्द हमेशा बहुवचन (आदरसूचक शब्द) में होते हैं।

- (vi). मेरी छड़ी में तीन ^{बजा} (बजा) हैं। (बजे)
- (vii). ^{छेड़ों} (छेड़ों) ^{कोयल} (कोयल) खेल रही थी (पेड़)
^{रुकवचन}
- (viii). इन ^{हालातों} (हालातों) में सुनाव संभव नहीं है। (हालात)

* समय में रुक के लिये बजा है शेष के लिए बजे है

- (ix) शादी में सभी वर्ग के लोग आये थे। (वर्गों)
 (x) शादी में हर वर्ग के लोग आये थे। (वर्ग)
 (xi) हम सब की स्थिति एक जैसी है। (स्थितियाँ)
 (xii) प्रत्येक व्यक्ति जीना चाहते हैं। (चाहता)
 (xiii) उसने तरह-तरह का रूप धारण किया। (के)
 (xiv) बेटी पराये घर का धन छेता है। (रोती)

9. विशेष अशुद्धि :-

- * क्रिया कर्ता के अनुसार निर्धारित होगी है, यदि एक साथ कई कर्ता हो तो क्रिया अन्तिम कर्ता के अनुसार होगा, परन्तु यदि कर्ता पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एक साथ वाक्य में हो तो क्रिया पुल्लिंग के अनुसार होगा, शर्ते स्त्रीलिंग कर्ता बाद में हो।
- * छोटा अपने बड़े को अर्पित करता है तथा बड़ा अपने छोटे को प्रदान करता है।
- * फोटो खींचा जाता है, चित्र बनाया जाता है
- * हस्ताक्षर किया जाता है
- * बात शूदी जाती है
 प्रश्न किया जाता है
 उत्तर दिया जाता है

- (i) मैदान में तीन घोड़े, दो बैल, एक बकरी चर रहे हैं। (रही)
 (ii) मोहन ने बाजार से कलम, दस्ताख्त तीन वस्तुओं खरीदी। (खरीद)
 (iii) पति-पत्नी जा रही हैं। (रहे)
 (iv) राजा-रानी सिंहासन पर बैठी हैं। (बैठें)
 (v) दावों ने गुरु जी को अभिनन्दन पत्र प्रदान किया। (अर्पित)
 (vi) मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को पुरस्कार अर्पित किया। (प्रदान)
 (vii) मोहन चित्र खींच रहा है (बना)
 (viii) चेक पर अपने हस्ताक्षर बना दीजिए। (कर)
 (ix) इतने अधिक प्रश्न प्रदान ठीक नहीं हैं। (करना)
 (x) यह पुस्तक सौ रुपये की की है। (खरीदी)

ब्रत - व्रत
 अगीरधी - अगीरधी
 आगवत् - आगवत्
 मुमुर्षु - मुमुर्षु
 मूर्धन्य - मूर्धन्य
 महत्त्व - महत्त्व
 याज्ञवल्क्य - याज्ञवल्क्य
 बाहनी - बाहनी
 वाल्मीकी - वाल्मीकी
 वनिक - वनिक
 संग्राहित - संगृहीत
 सिन्दुर - सिन्दुर
 सदृश्य - सदृश
 श्मशान - श्मशान
 शुश्रूषा - शुश्रूषा
 श्रोत - श्रोत
 श्रीयुत् - श्रीयुत्
 हिरण्यकशपु - हिरण्यकशिपु
 शूर्पणखा - शूर्पणखा
 सत्त्व - सत्त्व
 सृजन - सर्जन
 सम्राज्य - सम्राज्य
 सुसुप्ति - सुसुप्ति
 सम्वाद - संवाद
 सह्यस्यामला - सह्यश्यामला
 शृंगार - शृंगार
 शारिरिक - शारीरिक
 हितेष्टदुक - हितेष्टदुःख
 अनुसंगिक - आनुसंगिक
 आध्यात्मिक - आध्यात्मिक
 चातुर्यता - चातुर्य / चतुरता
 कौशलता - कौशल / कुशलता

द्विवार्षिक - त्रैवार्षिक
 धैर्यता - धैर्य / धीरता
 अश्वन्तरिक - आश्वन्तरिक
 असहनीय - असह्य
 अनुयार्ह - अनुयायी
 तत्त्व - तन्त्र
 तत्कालिक - तात्कालिक
 द्विवार्षिक - त्रैवार्षिक
 नैपुणता - नैपुण्य / निपुणता
 प्रफुल्लित - प्रफुल्ल
 प्रतिनिधिक - प्रातिनिधिक
 संन्यास - संन्यास
 सौजन्यता - सौजन्य
 निरपराधी - निरपराध
 शृङ्गरीय - शृङ्गरीय
 प्रमाणिक - प्रामाणिक
 चौरुषत्व - चौरुष
 बाहुल्यता - बाहुल्य / बहुलता
 राजनैतिक - राजनीतिक
 व्यावसायिक - व्यावसायिक
 सौन्दर्यता - सौन्दर्य / सुन्दरता
 साप्ताहिक - साप्ताहिक
 संसारिक - सांसारिक
 अनाधिनी - अनाद्या
 कोमलांगिनी - कोमलांगी
 विहंगिनी - विहंगी
 अत्योक्ति - अत्युक्ति
 अद्यापि - अद्यापि
 अनाधिकारी - अनाधिकारी
 आशीर्वाद - आशीर्वाद
 किम्बदन्ती - किंवदन्ती
 दण्डदाया - दण्डदाया

1. वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ

अनाधिकार - अनाधिकार
 अनुकूल - अनुकूल
 अनुशरण - अनुसरण
 अहिन्या - अहिन्या
 आठितिय - आठितिय
 अन्तर्ध्यान - अन्तर्ध्यान
 अमावस्या - अमावस्या
 आर्द - आर्द
 अल्हाद - आह्लाद
 इकठ्ठा - इकठ्ठा (इकठ्ठा)
 उपरोक्त - उपर्युक्त
 उत्पात् - उत्पात
 उज्ज्वल - उज्ज्वल
 कलस - कलश
 कैलाश - कैलाश
 कौतुहल - कौतूहल / कुतूहल
 सत्र - द्रव
 गृहीता - गृहीता
 चिन्ह - चिह्न
 जाग्रत - जागरित
 जेष्ठ - ज्येष्ठ
 ताड़ित - ताड़ित
 दक्षिणी - दक्षिणी
 द्वारिका - द्वारका
 निरिह - निरीह
 पत्नी - पत्नी
 अन्ताक्षरी - अन्त्याक्षरी
 अर्थात् - अर्थात्
 आह्वान - आह्वान
 आजीविका - आजीविका

ईर्ष्या - ईर्ष्या
 उज्ज्वल - उज्ज्वल
 ऊँचाई - ऊँचाई
 औद्योगीकरण - उद्योगीकरण
 कविधिली - कवायिली
 केन्द्रीयकरण - केन्द्रीकरण
 गृहीत - गृहीत
 चर्मैल्कर्ष - चरमोत्कर्ष
 जमाता - जामाता
 ज्योत्सना - ज्योत्स्ना
 त्याज - त्याज्य
 तत्व - तन्त्र
 दीपिका - दीपिका
 इन्द्र - इन्द्र
 निरपराधी - निरपराध
 नूपुर - नूपुर
 प्रशंसा - प्रशंसा
 पुण्य - पूज्य
 परिक्षण - परीक्षण
 ब्रम्ह - ब्रह्म
 वृज - ब्रज
 भैरवा - भैया
 मुहुर्त्त - मुहूर्त्त
 महत्वाकांक्षा - महत्त्वाकांक्षा
 महात्म - माहात्म्य
 यथेष्ट - यथेष्ट
 विभीषिका - विभीषिका
 वांगमय - वाङ्मय
 प्रज्ज्वलित - प्रज्वालित
 प्रथक् - प्रथक्